हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 34 | देहरादून, शनिवार, 23 जुलाई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

उत्तराखंड सरकार लाएगी महत्वाकांक्षी स्ट्रीट चिल्ड्रन पालिसी : रेखा आर्या 3

मुख्यमंत्री के निर्देश पर कांवड़ यात्रियों पर हेलीकाप्टर से की गयी पुष्प वर्षा

फ़िरोज़ आलम गांधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

शुक्रवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. योगेन्द्र रावत द्वारा जनपद हरिद्वार के नारसन बार्डर से, कांवड़ पट्टी पर चल रहे, श्रद्धालु कांवड़ियों के ऊपर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कर स्वागत व अभिनन्दन किया गया। श्रद्धालु कावंड़ियों के ऊपर पुष्प वर्षा करने का यह क्रम बैरागी कैम्प, शंकराचार्य चौक, हरि की पैड़ी तथा अपर रोड़ तक संचालित किया गया। पुष्प वर्षा के समय का यह अलौकिक दृश्य देखने लायक था। श्रद्धालु कांवड़िये अपने ऊपर पुष्प वर्षा होते देख भाव विभोर हो रहे थे तथा सरकार द्वारा किये जा रहे स्वागत व अभिनन्दन व्यवस्थाओं की हृदय से प्रशंसा करते दिखाई

दिये। हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा के समय बम-बम भोले की गूंज से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो रहा था। इससे पूर्व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी बुधवार को हरिद्वार में डामकोठी के निकट गंगा घाट पर शिव भक्तों का स्वागत किया। उन्होंने कांवड़ यात्रा में देवभूमि उत्तराखण्ड आये शिव भक्तों के चरण धोकर एवं गंगाजली देकर स्वागत किया था। उन्होंने श्रावण मास में भगवान शंकर को जल अर्पित करना पुरातन परंपरा है। यह मास भगवान शंकर को समर्पित रहता है।

हरिद्वार में प्रतिदिन लाखों शिवभक्तों का कांवड़ यात्रा में शामिल होकर मां गंगा का आशीर्वाद लेने का क्रम निरंतर जारी है। अब तक लाखों शिवभक्त पवित्र गंगा जल लेकर अपने गंतव्य की ओर लौट चुके हैं। अपने अपने क्षेत्रों के शिवालयों में गंगाजल अर्पण के पश्चात उनकी यात्रा पूर्ण होती है।

कावड़ यात्रा के संबंध में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये हैं कि कावड़ यात्रियों का देवभूमि उत्तराखण्ड में सभी सुविधाओं का ध्यान रखा जाए तथा उनकी सेवा में कोई कमी न रहे।

उत्तराखण्ड के सरकारी विभागों में जेम (GeM) पर उपलब्ध सामग्री एवं सेवाओं को अनिवार्य रूप से क्रय की व्यवस्था लागू

सीएम पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर शासनादेश जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा शासन प्रशासन में पारदर्शिता व मितव्ययिता लाने के निर्देश पर उत्तराखण्ड के शासकीय विभागों एवं उनके अधीनस्थ संस्थाओं में भारत सरकार द्वारा विकसित गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस, जेम (GeM) पर उपलब्ध सामग्री एवं सेवाओं को अनिवार्य रूप से खरीदने की व्यवस्था को लागू किया गया। सचिव वित्त सौजन्या द्वारा इसके लिये सभी विभागों को निर्देश जारी किए गए हैं ।

सभी विभागों को निर्देशित किया गया है कि राज्य के समस्त सरकारी विभागों, सार्वजनिक उद्यमों/निगमों / स्थानीय निकायों / स्वायत्तशासी संस्थाओं आदि में अधिक से अधिक सामग्री व सेवाओं के उपार्जन में ई-मार्केट प्लेस (GeM) पोर्टल का उपयोग किया जाना है। इस हेतु भारत सरकार के सामान्य वित्तीय नियम, 2017 के नियम-149 (समय-समय पर यथासंशोधित) में निहित प्राविधानों के अनुरूप व्यवस्था प्रख्यापित की गई है।

जो सामग्री एवं सेवाएं GeM पोर्टल पर उपलब्ध है, उनका क्रय GeM पोर्टल के माध्यम से अनिवार्य रूप से किया जायेगा। जो सामग्री अथवा सेवायें GeM पर उपलब्ध नहीं है, उन के लिए उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2017 (समय-समय पर यथासंशोधित) अथवा अन्य सुसंगत नियमों की व्यवस्था पूर्ववत लागू होगी ।क्रेता विभागों से यह अपेक्षा की गयी हैं कि क्रय की जाने वाली सामग्री एवं सेवाओं की दरों के उपयुक्त होने (reasonability of rates) को सुनिश्चित किया जायेगा। सचिव वित्त सौजन्या ने बताया कि GeM पोर्टल के उपयोग से शासकीय विभागों हेतु क्रय व्यवस्था को पारदर्शिता प्रतिस्पर्धा, निष्पक्षता तथा मितव्ययी बनाया जाना है, ताकि व्यय की जाने वाली धनराशि का अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके ।वित्त विभाग के शासनादेश द्वारा उत्तराखण्ड के शासकीय विभागों एवं उनके अधीनस्थ संस्थाओं में भारत सरकार द्वारा विकसित गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस, जेम (GeM) पर उपलब्ध सामग्री एवं सेवाओं को अनिवार्य रूप से क्रय की व्यवस्था को लागू किया गया है। वर्तमान में 23 लक्ष्मी रोड, निदेशक कोषागार पेंशन एवं हकदारी उत्तराखण्ड के कार्यालय परिसर में स्थापित ई-प्रोक्योरमेंट सेल द्वारा जेम पोर्टल से सामग्री एवं सेवाएं अधिप्राप्त किये जाने की प्रक्रिया संबंधी आवश्यक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इस संबंध में किसी भी प्रकार की पृच्छा के समाधान / पोर्टल पर निविदा अपलोड किये जाने हेतु हेल्प लाईन न०- 8899890000 पर सम्पर्क किया जा सकता है।राज्य के समस्त सरकारी विभागों, सार्वजनिक उद्यमों/निगमों / स्थानीय निकायों / स्वायत्तशासी संस्थाओं के सम्बन्धित अधिकारियों को GeM पोर्टल से सामग्रियों एवं सेवाओं की अधिप्राप्ति किये जाने के लिए जागरूक किये जाने हेतु राज्य सरकार द्वारा गढ़वाल क्षेत्र में दिनांक 01 अगस्त, 2022 को ₹ राज्य कर विभाग, रिंग रोड, मुख्यालय, देहरादून पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है तथा कुमांऊ क्षेत्र के अन्तर्गत भी यथाशीघ्र प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जायेगा।

Covid-19 : कोरोना मामलों में देहरादून जिले ने पकड़ी रफ्तार, एक ही दिन में आए 148 नए मामले

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य होता जा रहा था, कोरोना के मामले दिन-ब-दिन कम होते जा रहे थे। लेकिन हाल ही में उत्तराखंड में कोरोना के 148 नए मामले सामने आए। जिनमें से सबसे ज्यादा 109 मामले देहरादून में ही सामने आए। स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार देहरादून में 109 मामलों के अलावा अल्मोड़ा में दो, बागेश्वर में दो, हरिद्वार में 10, नैनीताल में 11, पौड़ी में चार, रुद्रप्रयाग में एक, टिहरी में दो, यूएस नगर में चार, तीन मामले सामने आए. उत्तरकाशी में। कोरोना से ठीक हुए लोगों की संख्या 152 हुए।

मंगलवार को 29772 लोगों ने कोविड सतर्कता डोज भी लगवाई। अब राज्य में कोविड एक्टिव केस की संख्या 666 हो गई है। संक्रमण दर 9.37 प्रतिशत और रिकवरी दर 95.45 प्रतिशत है। मंगलवार को 2205 लोगों के सैंपल भी लिए गए। कुल 33969 लोगों को कोविड वैक्सीन लगी। इसमें से 29772 लोगों ने सतर्कता डोज लगवाई।

राज्य में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों

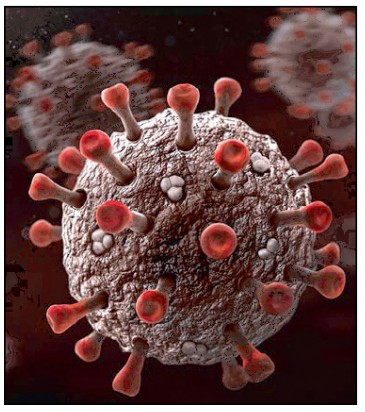

पर भी सरकार की नजर है. ये आंकड़े राज्य के लिए बिल्कुल भी अच्छे नहीं हैं। डॉक्टर का कहना है कि मौसम की वजह से मरीजों की संख्या में भी इजाफा हो सकता है। हम लोगों को डराना नहीं चाहते। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी लगातार अधिकारियों को अलर्ट कर निर्देश दे रहे हैं और उनका कहना है कि सरकार सभी परिस्थितियों पर नजर रखे हुए है.

ये हैं बुद्धिमान लोगों की पांच आदतें जानिए आप कितने बुद्धिमान हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दुनिया में हर किसी के पास एक जैसी बुद्धि नहीं होती, हर किसी की बुद्धि उनके अनुसार होती है, मंदबुद्धि होना या बुद्धिमान होना इन दोनों में बहुत बड़ा अंतर है। कुछ लोग इंटेलिजेंट कहलाते हैं तो कुछ सामान्य बुद्धि वाले और कुछ मंदबुद्धि. बुद्धिमान लोगों के पास आपको हर समस्या का समाधान मिल सकता है. मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि कुछ ऐसी आदतें होती है जो बुद्धिमान व्यक्तियों में देखने को मिलती है. हम आपको आज ऐसी ही पांच आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बुद्धिमान व्यक्तियों में देखने को मिलतीं हैं. जानिए कितने बुद्धिमान हो आप

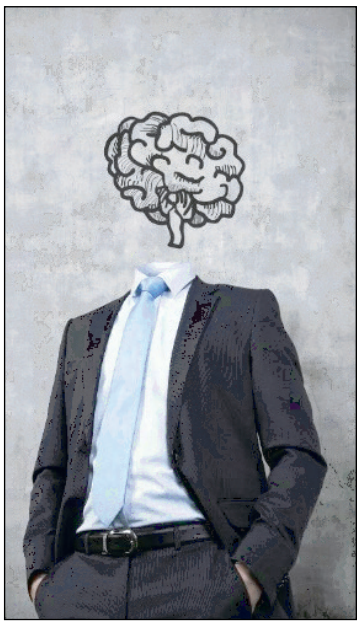

1) लेफ्ट हैंडेड लोगः आपने कई बार सुना होगा कि लेफ्ट हैंडेड लोग बेहद टैलेंटेड और बुद्धिमान होते हैं. अमेरिकी लेखिका मारिया कोनिकोवा, जिनके पास कोलंबिया विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान में पीएच.डी. की डिग्री है, उन्होंने 2003 में एक प्रयोग में पाया कि लेफ्ट हैंडेड लोग राइट हैंडेड लोगों से ज्यादा निपुण होते हैं. वहीं, वैज्ञानिकों ने भी लेफ्ट हैंडेडनेस और डायवर्जेंट थिंकिंग के बीच एक लिंक पाया.

2) आप छोटी-छोटी चीजों में परेशान हो जाते हैंः 2015 में व्यक्तित्व और व्यक्तिगत अंतर पर हुए एक अध्ययन के मुताबिक, जो लोग बहुत अधिक चिंता करते हैं, वे ज्यादा इंटेलिजेंट होते हैं. वैज्ञानिकों का मानना है जो लोग ज्यादा चिंता करते हैं, वे अपने काम की गुणवत्ता को अधिक गंभीरता से लेते हैं.

3) आपका सेंस ऑफ ह्यूमर अच्छा हैः न्यू मैक्सिको यूनिवर्सिटी द्वारा 2010 में एक स्टडी कराई गई. इस स्टडी के द्वारा शोधकर्ताओं ने पाया कि ह्यूमर बुद्धि को प्रभावित करता है और आपके ब्रेन की एक्सरसाइज करवाता है.4)अगर आप अपने काम के साथ-साथ दूसरों के काम को जानने के बारे में उत्सुक रहते हैं तो भी आप बुद्धिमान कहलाएंगे. मनोवैज्ञानिक Tomas Chamorro-Premuzic के मुताबिक, दूसरों के बारे में जानने की उत्सुकता रखने वाले लोग बुद्धिमान की श्रेणी में आते हैं. 5) आप रात के वक्त ज्यादा और उनका कहना है कि सरकार सभी परिस्थितियों पर नजर रखे हुए है. होते हैंः वैज्ञानिकों का मानना है कि जो लोग रात के वक्त ज्यादा प्रोडक्टिव होते हैं या रात के वक्त ज्यादा काम करते हैं, वो काफी इंटेलिजेंट माने जाते हैं.

जानवर चलना कैसे सीखता हैं इसलिए वैज्ञानिकों ने कुत्ते के आकार का रोबोट ही बना दिया, पढ़िए पूरी खबर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जर्मनी के एक कॉलेज के वैज्ञानिकों की जिज्ञासा का नहीं है कोई जवाब यह पता लगाने के लिए कि जानवर कैसे चलना सीखते हैं। उन्होंने चार पैरों वाला, कुत्ते के आकार का रोबोट ही बना दिया। शोध के निष्कर्ष 'नेचर मशीन इंटेलिजेंस' पत्रिका में प्रकाशित हुए थे। शिकारियों से बचने के लिए एक नवजात जिराफ़ या बछेड़े को अपने पैरों पर जितनी जल्दी हो सके चलना सीखना चाहिए। जानवरों का जन्म उनकी रीढ़ की हड्डी में स्थित मांसपेशी समन्वय नेटवर्क के साथ होता है। हालांकि, पैर की मांसपेशियों और टेंडन के सटीक समन्वय को सीखने में कुछ समय लगता है। प्रारंभ में, शिशु जानवर हार्ड-वायर्ड रीढ़ की हड्डी की सजगता पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं। जबकि कुछ अधिक बुनियादी, मोटर नियंत्रण सजगता जानवर को अपने पहले चलने के प्रयासों के दौरान गिरने और खुद को चोट पहुंचाने से बचने में मदद करती है।

निम्नलिखित, अधिक उन्नत और सटीक मांसपेशी नियंत्रण का अभ्यास किया जाना चाहिए, जब तक कि अंततः तंत्रिका तंत्र युवा जानवर के पैर की मांसपेशियों और टेंडन के लिए अच्छी तरह से अनुकूलित न हो जाए। कोई और अनियंत्रित ठोकर नहीं - युवा जानवर अब वयस्कों के साथ रह सकता है। MPI-IS में डायनेमिक लोकोमोशन रिसर्च ग्रुप के पूर्व डॉक्टरेट छात्र फेलिक्स रूपर्ट ने कहा, ₹इंजीनियरों और रोबोटिस्टों के रूप में, हमने एक ऐसे रोबोट का निर्माण करके जवाब मांगा, जो जानवरों की तरह ही रिफ्लेक्सिस की सुविधा देता है और गलतियों से सीखता है।₹ ₹अगर कोई जानवर ठोकर खाता है, तो क्या यह गलती है? अगर यह एक बार होता है तो नहीं। लेकिन अगर यह बार-बार ठोकर खाता है, तो यह हमें मापता है कि रोबोट कितनी अच्छी तरह चलता है।

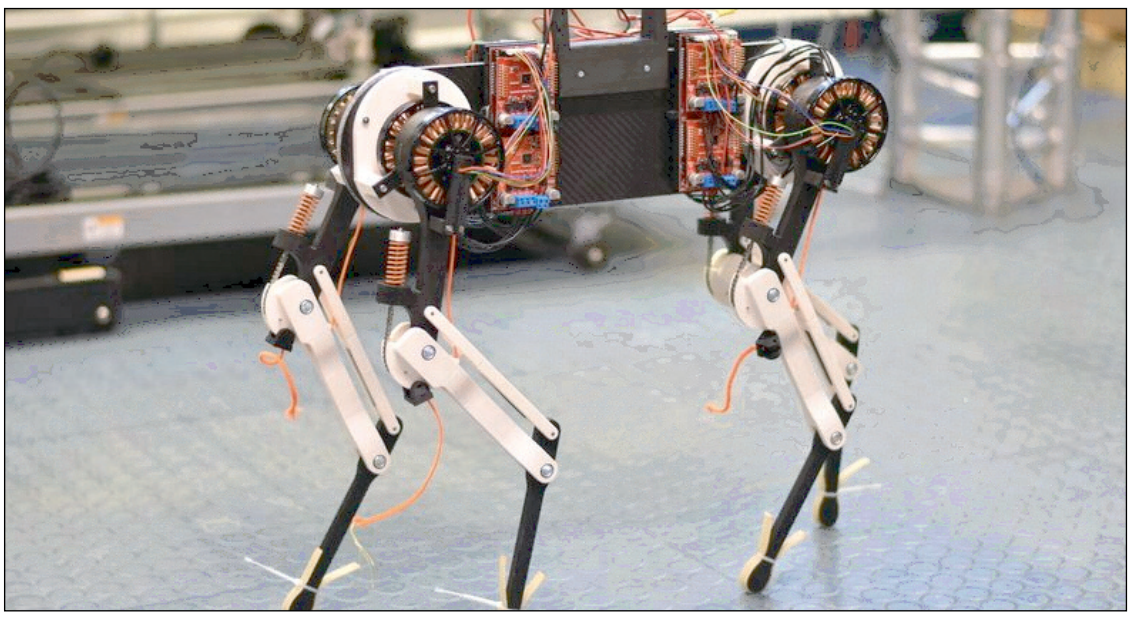

रेलवे ने पेश की 'बेबी सीट' सुविधा, जानिए क्या हैं इसके फायदे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उड़ान के बाद रेलवे द्वारा दूरी यात्रा के लिए सबसे सर्वश्रेष्ठ मन गया है ट्रेन में हर दिन लाखों लोग सफर करते हैं, जिससे रेलवे हर बार आपको बेहतर सुविधाएं देने की कोशिश करता है।

इसलिए रेलवे में लोगों की खुशहाल यात्रा के लिए अच्छी सुविधाएं निकाली जा रही हैं.. और पिछले काफी समय से रेलवे में काफी बदलाव भी लाया है।लोग प्रतिदिन रेलवे की कई बड़ी सुविधाओं का आनंद लेते हैं जैसे विकलांग सेवा, महिला आरक्षण बर्थ कोटा, बुजुर्ग व्यक्ति के लिए सीट, इन सभी में एक और सुविधा जोड़ी गई है।

जिसमें बच्चों के लिए अतिरिक्त सीट दी जा रही है, वह भी मुफ्त में इस सीट का नाम ₹बेबी सीट₹ रखा गया है। कई ट्रेनों में बेबी सीट के नाम से यह काम शुरू हो चुका है, जिसमें अब तक कई महिलाएं सफर भी कर चुकी हैं.आपको बता दें कि 5 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कोई टिकट नहीं है और रेलवे

इसकी साफ मनाही करता है, लेकिन अब इस सुविधा से आपको काफी फायदा होगा, खासकर महिलाओं को।

इस सुविधा को शुरू करने का मुख्य कारण यह है कि जो महिलाएं बच्चों के साथ यात्रा करती हैं और फिर भी उन्हें सीट नहीं मिलती है, वे अब बच्चों के साथ बेबी सीट के माध्यम से आराम से यात्रा कर सकती हैं।अभी यह

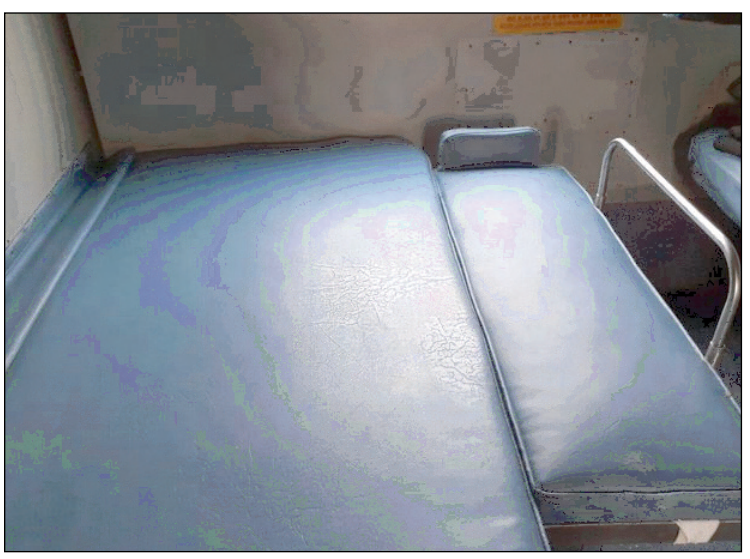

सुविधा सभी ट्रेनों में नहीं है लेकिन धीरे-धीरे यह सभी ट्रेनों में उपलब्ध होगी। आप रेलवे टिकट में ही बेबी सीट के नाम से अपना टिकट अपग्रेड कर सकते हैं, वह भी बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के।फिलहाल 5 से 12 साल के बच्चों के लिए टिकट यात्रा के कुल खर्च का आधा है। और अब इस सुविधा से आपको जरूर फायदा होगा।

बदल गया पलायन आयोग का नाम, सीएम धामी ने जोड़ा 'निवारण'

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग की बैठक आयोजित की गई। मुख्यमंत्री ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को रोकने के उद्देश्य से बने इस आयोग को नाम पलायन निवारण आयोग रखा जाए। आयोग की सिफारिशों का बेहतर तरीके से क्रियान्वयन हो सके इसके लिए मुख्यमंत्री ने अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाने के निर्देश दिया, जिसमें आयोग के सदस्य भी होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए एक ग्राम एक सेवक की अवधारणा पर कार्य किये जाएं।

उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार अनेक जन कल्याणकारी योजनाओं पर कार्य कर रही है। राज्य के विकास से संबंधित नये विषयों को आगे बढ़ाया जा रहा है। 2025 में उत्तराखण्ड राज्य स्थापना की रजत जयंती मनायेगा। ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग तब तक किस-किस क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है, उन क्षेत्रों में कार्ययोजना के साथ ही कार्य एवं उपलब्धि धरातल पर दिखे, इस दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए। किसी भी बैठक का आउटपुट आना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पलायन आयोग द्वारा अपनी रिपोर्ट के माध्यम से जो सुझाव दिये जा रहे हैं, उन सुझावों को अमल में लाने के लिए संबंधित विभागों द्वारा ठोस कार्ययोजनाएं बनाई जाए। जनकल्याणकारी योजनाओं का लोगों को अधिक से अधिक लाभ मिले, इसके लिए प्रक्रियाओं के सरलीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को रोकने के लिए गांवों पर केन्द्रित योजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के संसाधन बढ़ाने एवं अवस्थापना विकास से संबंधित केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का आम जन को पूरा लाभ मिले। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य में सड़क, रेल कनेक्टिविटी के साथ अवस्थापना विकास के क्षेत्र में तेजी से कार्य हो रहे है। उन्होंने कहा कि राज्य में ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग को अपने उद्देश्यों और लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सीमित दायरा न हो। अधिकांश लोगों को आजीविका से कैसे जोड़ा जा सकता है, इस दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए।

ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. एस.एस. नेगी ने कहा कि ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग द्वारा राज्य सरकार को 18 रिपोर्ट प्रस्तुत की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि काफी लोगों का रूझान रिवर्स माइग्रेशन की दिशा में बढ़ा है। इस अवसर पर ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग के सदस्यों ने भी राज्य के समग्र विकास के लिए किन क्षेत्रों में अधिक ध्यान देने की जरूरत है, अपने सुझाव दिये।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, आनन्द बर्द्धन, सचिव शैलेश बगोली, विशेष सचिव डॉ. पराग मुधुकर धकाते, अपर सचिव आनन्द स्वरूप, सदस्य ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग अनिल शाही, रंजना रावत, सुरेश सुयाल, दिनेश रावत एवं राम प्रकाश पैन्यूली उपस्थित थे।

उत्तराखंड सरकार लाएगी महत्वाकांक्षी स्ट्रीट चिल्ड्रन पालिसी : रेखा आर्या

निदेशक महिला कल्याण को दिए निर्देश,पत्र जारी कर जिलाधिकारी हरिद्वार से बाल गृह- बालक व संप्रेक्षण गृह- बालिका हेतु सरकारी जमीन की कर ली जाए मांग

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादूनः महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने महिला कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री रेखा आर्या ने कई बिंदुओं पर चर्चा की साथ ही कई महत्वपूर्ण निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि महिला कल्याण के लाभार्थी संवेदनशील हैं अतः विभाग के सभी कार्मिक पूरे मनोयोग से महिलाओ व बच्चों को योजनाओं का लाभ प्रदान करवाएं। वहीं महिला कल्याण विभाग द्वारा स्ट्रीट चिल्ड्रन पालिसी के ऊपर मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि राज्य में स्ट्रीट चिल्ड्रन पालिसी तैयार की जा रही है जिसके संबंध में श्रम, पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य व महिला कल्याण के अधिकारियों की बैठक शीघ्र आयोजित की जाएगी। इस दैरान कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने जिलाधिकारी हरिद्वार से वार्ता की और निर्देश दिए कि निदेशक महिला कल्याण द्वारा पत्र जारी कर जिलाधिकारी हरिद्वार से बाल गृह- बालक व संप्रेक्षण गृह- बालिका हेतु सरकारी जमीन की मांग कर ली जाए।

मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना के लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का दिलवाया जाए लाभ व योजना की बनवाई जाए फ़िल्म अपडेट- रेखा आर्या

साथ ही यह भी निर्देश दिए कि भारत सरकार के स्तर पर आयोजित प्रत्येक बैठक में उत्तराखंड का पक्ष मजबूती से रखते हुए केंद्र की समस्त योजनाओं का लाभ यहां के लाभार्थियों को प्रदान किया जाए और बैठकों का फीडबैक स्वयं उन्हें भी दिया जाए।

इस दौरान लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ किस तरह से मिल पा रहा है इसके ऊपर कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ सुलभता से प्रदान करने व अनुश्रवण की प्रक्रिया को मजबूती देने के उद्देश्य से सूचना तकनीक का प्रभावशाली उपयोग किया जाए और विभाग की वेबसाइट को हर वक्त अपडेट रखा जाए।

विभागीय संस्थाओं में निवासरत बालिकाओं को रोजगार प्रदान करने के बिषय पर मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि बालिकाओं को राजकीय नोकरियों में 05 प्रतिशत आरक्षण का लाभ प्राप्त करने में सक्षम बनाया जाए और विभागीय संस्थाओं में निवासरत महिलाओं व बच्चों को आकस्मिक चिकित्सा/गंभीर बीमारियों के इलाज में सुलभता लाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बैठक जल्द आयोजित की जाएगी। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने बैठक में कहा कि बाल संरक्षण सेवाओं में भारत सरकार द्वारा नवीन दिशानिर्देश जारी किये गए हैं, जिसके लिए उत्तराखंड द्वारा प्रेषित सुझावों को सम्मिलित किया गया है। बाल संरक्षण सेवाओं के संबंध में पृथक से प्रेसवार्ता आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना पर मंत्री रेखा आर्या ने स्पष्ट निर्देश दिए कि लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ अवश्य दिलवाया जाए और योजना की फ़िल्म अपडेट बनवाई जाए।

बैठक में प्रदीप सिंह रावत अपर सचिव/निदेशक,मोहित चौधरी, सी.पी.ओ, अंजना गुप्ता डी.पी.ओ मुख्यालय व मीना बिष्ट डी.पी.ओ देहरादून उपस्थित रहे।

देहरादून निवासी को डेंगू का खतरा 12 जगहों पर मिले डेंगू के लार्वा

संजय कुमार की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हाल ही में उत्तराखंड की राजधानी देहरादून नगर निगम की टीम शहर के अलग-अलग हिस्सों में डेंगू का जायजा लेने निकली थी. निरीक्षण के दौरान नगर निगम की टीम को 12 जगहों पर डेंगू के लार्वा मिले हैं।लार्वा कहीं बर्तनों में खड़े पानी में था तो कहीं पानी में जो दुकानों के बाहर लटके हुए त्रिपोली में रुका था। पिछले तीन दिनों में नगर निगम की टीम को 12 जगहों पर डेंगू के लार्वा मिले हैं। इनसे जुड़े लोगों को पांच-पांच सौ रुपए का चालान किया गया है।

देहरादून के नागरिकों से अपील है कि अपने घरों के आसपास कहीं भी पानी जमा न होने दें।सरकार के साथ मिलकर डेंगू से लड़ने में अपनी भूमिका निभाएं। वरिष्ठ नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अविनाश खन्ना ने बताया कि बुधवार को इंस्पेक्टर राजवीर चौहान, मनीष दढियाल और राजेश पंवार अपनी टीम के साथ शहर के विभिन्न हिस्सों में निकले थे। उन्होंने सहस्त्रधारा रोड, इनामुला बिल्डिंग, राजपुर रोड आदि का जायजा लिया. डॉ. खन्ना ने बताया कि राजवीर चौहान की टीम को छह जगहों पर डेंगू के लार्वा मिले थे।

उन्होंने कहा कि त्रिपाल में दुकानों के बाहर लटके पानी में सबसे ज्यादा लार्वा पाए गए। इसके लिए दुकानदारों के चालान कर दिया गया है। इसके साथ ही उन्हें चेतावनी भी दी गई है कि रात में जाते समय त्रिपाल को हटा देना चाहिए ताकि उसमें पानी जमा न हो। इसके अलावा मनीष और राजेश पंवार की टीम ने दो जगह डेंगू का लार्वा मिलने पर पांच-पांच सौ रुपये का चालान किया. उन्होंने बताया कि मंगलवार को भी दो जगहों पर डेंगू के लार्वा मिले थे. अब तक 12 जगहों पर लोगों के चालान किए जा चुके हैं।

तेज रफ्तार बाइक सवार व्यक्ति पर बाघ ने किया हमला, घसीटकर कॉर्बेट नेशनल पार्क के पास जंगल में ले गया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। एक बाइक पर दो व्यक्ति जो 60 किमी/घंटा की गति से बाइक चला रहे थे। तभी बाघ ने उन पर हमला कर दिया। हमले में मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई. यह भीषण घटना देहरादून के कॉर्बेट नेशनल पार्क के पास हुई। तफ़सील से बताई तो वह शख्स 60 किमी/घंटा की रफ्तार से बाइक चला रहा था तभी बाघ ने उन पर हमला कर दिया और एक व्यक्ति को घसीटकर जंगल में ले गया। जिस व्यक्ति को घसीट कर जंगल ले जाया गया वह मृत पाया गया, मृतक की पहचान अफ़जल के रूप में हुई है। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। बाइक पर बैठे दूसरे व्यक्ति को कहना ये है -₹ कि बाइक 60-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही थी। अचानक बाघ के हमले से बाइक जमीन पर गिर गई। अफ़जल का पता नहीं चलने पर मैंने बाइक स्टार्ट की और थाने की ओर दौड़ा और घटना को बताया. बता दे की बाघ ने बाइक पर उस समय छलांग लगा दी जब

मोटरसाइकिल पर सवार दो लोग मोहन इलाके से गुजर रहे थे। बाघ अचानक जंगल से बाहर आया और बाइक पर बैठे अफजल पर हमला कर उसे घसीट कर जंगल में ले गया।अनस ने घटना की जानकारी वन अधिकारियों को भी दी। घटना के बाद स्थानीय निवासियों ने रविवार को विरोध प्रदर्शन किया और वन विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने सहायता की, उन्होंने 3-4 बाघों के घूमने की सूचना दी थी, लेकिन उन्होंने कार्रवाई करने की कभी परवाह नहीं की।

उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले में बस के पलटने से 24 लोग घायल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिछले कुछ दिनों में राज्य के विभिन्न हिस्सों में रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण भूस्खलन की एक श्रृंखला हुई है, जिससे 10 जिलों में 139 ग्रामीण मोटर सड़कें, तीन राज्य राजमार्ग, एक राष्ट्रीय राजमार्ग और तीन सीमा सड़कें मलबे के टीले से अवरुद्ध हो गई हैं। इसके बाद गुरुवार की सुबह उत्तराखंड राज्य के पौड़ी जिले में उत्तराखंड रोडवेज की एक बस के पलट जाने से कम से कम 24 यात्री घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि घायलों को हरिद्वार के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (एसईओसी) के अनुसार दुर्घटना चंडी पुल और भीमगोड़ा के बीच हुई जब बस टनकपुर से ऋषिकेश जा रही थी। इसमें कहा गया, ₹कुल 35 यात्रियों में से 11 बाल-बाल बच गए। SEOC ने कहा, ₹यातायात के लिए सड़कों को खोलने के प्रयास चल रहे हैं।

देहरादून RIMC ने प्रवेश परीक्षा की तिथि जारी कर दी है, जानिए पूरी डिटेल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जो माता-पिता अपने बच्चे का दाखिला मिलिट्री स्कूल/कॉलेज में कराना चाहते हैं, उनके लिए यह खबर काम की है। तो देहरादून शिक्षा विभाग की ओर से राष्ट्रीय

इंडियन मिलिट्री कॉलेज (आरआईएमसी) में जुलाई सत्र 2023 के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा की तिथि जारी कर दी गई है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर है।

तीन दिसंबर को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। छात्र 15 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश परीक्षा में वही छात्र सम्मिलित होंगे, जिनकी आयु 1 जुलाई, 2023 को अधिकतम 13 वर्ष और न्यूनतम 11 वर्ष छह माह हो। प्रवेश के समय छात्र के पास 1 जुलाई 2023 को किसी मान्यता प्राप्त स्कूल से सातवीं कक्षा का उत्तीर्ण या सातवीं कक्षा में अध्ययन करने वाला प्रमाण पत्र होना चाहिए। जाने पूरी जानकारी को विस्तार से जानिए

बता दे की, परीक्षा में केवल उत्तराखंड के निवासियों को ही मौका मिलेगा।इसके लिए अभिभावकों को फॉर्म के साथ मूल निवास प्रमाण पत्र भी जमा करना होगा। आरक्षित वर्ग को अपने प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति फार्म के साथ भेजना अनिवार्य है।

ऑनलाइन भुगतान सीधे कॉलेज की वेबसाइट पर कॉलेज के घर के पते पर किया जा सकता है। सामान्य वर्ग की छात्राओं को 600, एससी/एसटी वर्ग की छात्राओं को 555 रुपये फीस देनी होगी। प्रपत्र मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय मयूर विहार सहस्त्रधारा रोड पर पंजीकृत डाक से भेजना है।15 अक्टूबर के बाद फार्म स्वीकार नहीं किए जाएंगे। बता दें कि राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज (RIMC), देहरादून की परीक्षा देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक है और RIMC कक्षा 8 में प्रवेश लेने का अवसर देती है। आपको बता दें कि यहां से 12वीं तक की पढ़ाई होती है और छात्र एनडीए की तैयारी करते हैं। लिखित परीक्षा के आधार पर देश के विभिन्न राज्यों से 50 बच्चों का चयन किया जाता है। फिर इंटरव्यू के बाद 25 बच्चों को प्रवेश मिलता है। एक छात्र को यहां आवेदन करने के लिए अधिकतम तीन मौके मिलते हैं।

बेहतर स्वास्थ्य सेवा एनएचएम स्वास्थ्य विभाग का महत्वपूर्ण लक्ष्य : डॉ. आर राजेश कुमार, प्रभारी सचिव

मीडिया से सुझाव लेकर करेंगे स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर : डॉ. आर राजेश कुमार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रभारी सचिव एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के मिशन निदेशक डॉ. आर राजेश कुमार ने कहा है कि एनएचएम का मुख्य उद्देश्य आम-जनमानस को राज्य सरकार द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का पूर्ण लाभ देना है, इसी उद्देश्य से आगामी समय में रणनीति तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि विभाग की यही प्राथमिकता है कि जो भी स्वास्थ्यक्रमी जिस भी क्षेत्र में तैनात है वह जनता के इलाज के लिए समय पर तत्परता से उपलब्ध रहे। मीडिया के साथ किये गए संवाद के दौरान डॉ. आर राजेश कुमार ने बड़ी गंभीरता से सुझाव और शिकायतों को सुना और उनपर प्रभावी कार्यवाही करने का भरोसा दिया है।

- मीडिया ने डॉ. आर राजेश कुमार"से अनुरोध किया कि उनके दवारा अस्पतालों में औचक निरीक्षण किया जाए ताकि अल्ट्रासाउंड व अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं का पता चले। जिसके जवाब में प्रभारी सचिव ने कहा, अधिकारियों की एक क्विक रिस्पांस टीम (त्वरित प्रतिक्रिया टीम) बनाई जाएगी जो कि अस्पतालों का औचक निरीक्षण नियमित तौर पर करती रहेगी जिससे की अस्पतालों के अधिकारियों व कर्मचारियों की दैनिक उपस्थिति पर भी ध्यान दिया जाएगा। ताकि आम जनता को स्वास्थ्य सेवाओं की सहूलियत मिल सकेगी और अस्पताल द्वारा मरीजों को गुणवत्ता पूर्वक उपचार मिल सकेगा।
- मीडिया द्वारा पूछा गया कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में कार्यरत चिकित्सकों द्वारा निजी प्रैक्टिस की जा रही है, जिस पर लगाम लगाने की अवश्यकता है। जिस पर प्रभारी सचिव द्वारा आश्वासन दिया गया कि उन चिकित्सकों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।
- प्रभारी सचिव ने बताया की डेंगू हर तीन वर्ष में ज्यादा सक्रिय होता है इसलिए इस वर्ष डेंगू को लेकर ज्यादा सावधानी बरतने की आवश्यकता है। डेंगू नियंत्रण व रोकथाम हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा आशाएं कार्यरत हैं जो कि घर-घर जाकर लोगों की डेंगू के नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु जानकारी मुहैया करा रही है। डेंगू हॉट-स्पॉट की पहचान कर लोगों को डेंगू के दुष्प्रभाग व डेंगू के लार्वा के रोकथाम हेतु लोगों को बताया जा रहा है।
- प्रभारी सचिव डॉ. आर राजेश कुमार द्वारा बताया कि एनएचएम स्वास्थ्य विभाग द्वारा टेलीमेडिसिन को बढ़ावा दिया जाएगा और हर-घर में मरीजों को घर पर ही दवाइयां मुहैया कराने की रणनीति तैयार की जा सकेगी जिससे आम-जनमानस तक बेसिक दवाइयां जिनका इलाज लम्बे समय तक चलता है वह पहुंचाई जा सके
- कोविड के बढ़ते मामलों पर प्रभारी सचिव द्वारा बताया गया कि कोविड के नए वैरिएंट आ रहे है जो कि घातक है। हम जल्द ही शासन की कोविड के संबंध में एसओपी पुनः विभाग से जारी करेंगे किंतु प्रभारी सचिव द्वारा बल दिया गया कि वर्तमान स्थिति के मद्देनजर मॉस्क पहनना, सैनिटाइजर का उपयोग करना व सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना अति अवश्यक है। सैंपलिंग के साथ-साथ कोविड पॉजिटिव मरीजों की निगरानी को सक्षम बनाने पर कार्य किया जाएगा ताकि कोविड के मामलों में कमी लायी जा सके।
- मौजूदा मौनसून सीजन के चलते प्रदेश में आपदा का खतरा बना रहता है जिसको लेकर प्रभारी सचिव ने बताया राज्य एवं जिला स्तर के कंट्रोल रुम में डॉक्टर की तैनाती की जाती है किंतु स्वास्थ्य संबंधित सुविधाओं के बेहतर प्रबंधन हेतु स्वास्थ्य विभाग से भी डॉक्टर की तैनाती हर स्तर पर की जाएगी।
- प्रभारी सचिव ने कहा "उत्तराखंड जैसे राज्य के लिए आवश्यक सेवाओं की डिलीवरी एक बड़ी चुनौती है, जिसको लेकर एनएचएम की कोशिश रहेगी की स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ आम-जन को समय पर मिल सके, जिसके लिए विभाग निरंतर प्रयासरत है।" साथ ही विभाग द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं हेतु आवंटित बजट को सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु उपयोग में लाया जाएगा जिससे आम-जनमानस को इन योजनाओं का लाभ मिल सके।
- मीडिया द्वारा बताया गया कि आपातकालीन स्थिति में रोगियों की जरुरत के अनुसार एम्बुलेंस की आवश्यकता रहती है लेकिन ये एम्बुलेंस माफिया सक्रिया है अतः इसे खत्म करने की आवश्यकता है। इस पर प्रभारी सचिव ने कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।
- मीडिया द्वारा सुझाव दिया गया कि चिकित्सा इकाइयों में स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए लोगों या संस्थाओं द्वारा अस्पतालों में हेल्थ एंड हाइजीन संबंधित सामाग्रियों के स्वैच्छिक डोनेशन देने को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
- आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु लोगों की सुविधा के लिए सिंगल विंडो सिस्टम शुरु किया जाए सुझाव पर प्रभारी सचिव ने कहा, कि वह इस विषय से संबंधित आंकलन करेंगे।

प्रभारी सचिव ने आश्वासन दिया है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत चलने वाली अलग-अलग कार्यक्रमों को निरंतर अंतराल पर मीडिया के साथ साझा किया जाएगा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए समय-समय पर मीडिया से सुझाव प्राप्त किए जाएंगे।

2024 से पहले पंचेश्वर बांध परियोजना का एमओयू होगा साइन, विदेश मंत्री से हुई महाराज की चर्चा

महाराज ने की विदेश मंत्री एस. जयशंकर से भेंट , पंचेश्वर बांध परियोजना की मंजूरी प्रक्रिया में तेजी लाने का अनुरोध

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून/नई दिल्ली - प्रदेश के सिंचाई, लोक निर्माण, मंत्री सतपाल महाराज ने केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात कर भारत-नेपाल के बीच ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाली बहुउद्देशीय पंचेश्वर बांध परियोजना की मंजूरी की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए संबंधित मंत्रालय को निर्देशित करने का अनुरोध किया।

प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री सतपाल महाराज ने शुक्रवार को विदेश मंत्री एस.जयशंकर से उनके नई दिल्ली स्थित आवास पर भेंट कर उन्हें एक पत्र सौंपा। जिसमें उन्होने बहुउद्देशीय पंचेश्वर बांध परियोजना की मंजूरी की प्रक्रिया में तेजी लाने का अनुरोध करते हुए संबंधित मंत्रालय को इसके लिए निर्देशित करने की बात कही। कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने विदेशी मंत्री श्री जयशंकर से मुलाकात के दौरान उन्हें बताया कि भारत और नेपाल के बीच महाकाली नदी पर 5040 मेगावाट की पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना प्रस्तावित है जिसकी लागत 50 हजार करोड़ के लगभग है। इस परियोजना में पंचेश्वर बांध के डाउनस्ट्रीम में 300 मीटर ऊंचे पंचेश्वर बांध और 95 मीटर ऊंचे रूपालीगढ़ बांध के निर्माण की परिकल्पना की गई है। मुख्य बांध पर 80 किमी लंबा जलाशय बनेगा। यह परियोजना दोनों देशों के लिए अत्यधिक लाभकारी है।

सिंचाई मंत्री महाराज ने बातचीत के दौरान विदेश मंत्री से कहा कि जल्दी से जल्दी इस योजना को प्रारंभ करना चाहिए।उन्होने बताया कि पंचेश्वर बांध निर्माण के बाद जहां इसके जलाशय से नेपाल में 1,70,000 हेक्टेयर भूमि और भारत में 2,59,000 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होगी वहीं इस परियोजना से नेपाल और उत्तराखंड के सीमावर्ती जिलों में जबरदस्त समृद्धि आयेगी। उन्होने कहा कि पंचेश्वर बांध परियोजना से दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को भी मजबूत मिलेगी।

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि 2024 से पहले पंचेश्वर बांध परियोजना का एमओयू साइन हो जाए इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंचेश्वर बांध निर्माण से नेपाल को बड़ा लाभ मिलेगा। जिस प्रकार से भूटान भारत को बिजली बेच रहा है उसी प्रकार भविष्य में नेपाल भी बिजली बेचकर लाभ उठा सकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पंचेश्वर बांध में अनेक पर्यटन गतिविधियां संचालित की जा सकती हैं, यह पर्यटन का वर्ल्ड डेस्टिनेशन बनेगा। इसके निर्माण से दोनों देशों के बीच रोटी बेटी के संबंध और प्रगाढ़ होने के साथ-साथ युवा बेरोजगारों को भी रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध होंगे।

पायलट से धोखाधड़ी फ्लैट दिलाने के नाम पर लूटे 6 लाख 60 हजार रुपए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में फ्लैट दिलाने के नाम पर हो रही है धोखाधड़ी। उत्तराखंड पुलिस धीरे धीरे कस रही है कमर। हाल ही में देहरादून थाना नेहरू कॉलोनी क्षेत्र के अंतर्गत पवन हंस पायलट द्वारा हरिद्वार रोड स्थित वन लवा आवासीय कॉलोनी में फ्लैट बुक कराने के बाद भी बिल्डरों द्वारा उन्हें फ्लैट नहीं दिया गया. तीन साल बाद जब पायलट को फ्लैट नहीं मिला तो उसने जीटीएम बिल्डर्स के निदेशक व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कराया.. जिसके बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गौर हो कि जौलीग्रांट स्थित देहरादून एयरपोर्ट पर पवनहंस के पायलट कैप्टन मसूद हसन खान ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके भाई मशरूफ खां राजकीय दून मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर हैं. मशरूफ खां ने हरिद्वार रोड पर प्रस्तावित फॉरेस्ट लवाना आवासीय कॉलोनी में फ्लैट बुक किया था. जीटीएम बिल्डर के डायरेक्टर नितिन कपूर को साल 2014 में 06 लाख 60 हजार रुपए जीटीएम बिल्डर्स के खाते में जमा कराए थे. कुछ समय बाद निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ लेकिन कपूर ने निर्माण होने की जानकारी मशरूफ खां को दी. कुछ समय बाद फ्लैट को कैप्टन मसूद हसन ने अपने भाई मशहूर से खुद के नाम करवा लिया और उसके बाद नितिन कपूर से मिले तो उन्होंने बताया कि काफी निर्माण कार्य हो चुका है. इसलिए बाकी पैसा जमा करने की बात कही और कहा कि फ्लैट जल्द हैंडओवर कर दिया जाएगा.

कैप्टन मसूद हसन द्वारा जब नितिन कपूर से लोन लेने के लिए सहयोग मांगा तो नितिन ने किसी भी प्रकार का सहयोग नहीं किया. उसके बाद मसूद हसन निर्माण कार्य स्थल पर निरीक्षण करने पहुंचे. लेकिन गार्ड ने जाने से रोक दिया और पता चला कि वहां कोई निर्माण ही नहीं हुआ है. जब मसूद हसन ने इस बारे में नितिन कपूर से बात की तो नितिन कपूर ने आश्वासन दिया कि 2015 में फ्लैट हैंडओवर कर दिया जाएगा. साल 2015 और साल 2016 तक भी फ्लैट बनकर तैयार नहीं हुआ. उसके बाद मसूद हसन द्वारा रकम वापस मांगी जानी लगी तो 7 जुलाई 2017 को पैसे वापस किए बिना ही आवंटन रद्द कर दिया गया.

थाना नेहरू कॉलोनी प्रभारी प्रदीप राणा ने बताया कि पीड़ित मसूद हसन खान की तहरीर के आधार पर जीटीएम बिल्डर्स के निदेशक नितिन कपूर सहित शील रानी निवासी मुजफ्फरनगर और दिनेश वर्मा के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है. पुलिस द्वारा मामले में जानकारी की जा रही है कि बिल्डर के द्वारा अन्य लोगों के साथ भी की गई धोखाधड़ी के मामलों की जानकारी जुटाई जा रही है.

बेंच नहीं तो गोद में बैठकर स्टूडेंट्स ने किया लिंगभेद का किया विरोध

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

खबर केरल से है , जहाँ देश में अपनी तरह का अनोखा विरोध दर्ज़ कराते हुए स्टूडेंट्स सुर्खियां बन गए। रेजिडेंट्स एसोसिएशन के सदस्यों, इसके अध्यक्ष और भाजपा राज्य समिति के सदस्य चेरुवक्कल जयन के नेतृत्व में लड़कों और लड़कियों को एक साथ बैठने से रोकने के लिए एक लंबी तीन सीटों वाली बेंच को काटकर एक-एक सीट का बना दिया गया था, जिसके बाद छात्रों ने इसके विरोध में 'लैपटॉप' प्रोटेस्ट शुरू किया.

देश में ये है अजीबोगरीब विरोध की तस्वीरें

केरल के कॉलेज स्टूडेंट्स इन दिनों एक अनोखा प्रोटेस्ट कर रहे हैं. इस प्रोटेस्ट को उन्होंने 'लैपटॉप' प्रोटेस्ट' नाम दिया है. स्थानीय रेजिडेंट्स एसोसिएशन की मॉरल पुलिसिंग के विरोध में एक बस स्टॉप के अंदर सीईटी इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने एक दूसरे की गोद में बैठ कर तस्वीरें लीं, जिसके बाद उन्होंने इसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रेजिडेंट्स एसोसिएशन के सदस्यों, इसके अध्यक्ष और भाजपा राज्य समिति के सदस्य चेरुवक्कल जयन के नेतृत्व में लड़कों और लड़कियों को एक साथ बैठने से रोकने के लिए एक लंबी तीन सीटों वाली बेंच को काटकर एक-एक सीट का बना दिया गया था, जिसके बाद छात्रों ने इसके विरोध में 'लैपटॉप' प्रोटेस्ट शुरू किया.

रिपोर्ट के अनुसार इंजीनियरिंग के छात्र 'लैपटॉप' प्रोटेस्ट के दौरान एक-दूसरे की गोद में बैठे थे. उनकी उंगलियां बंधी थीं और हाथ एक-दूसरे के कंधों पर लिपटे हुए थे. इसके साथ ही वह कैमरे में देखकर मुस्कुरा रहे थे. उन्होंने तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की और यह वायरल हो गई. छात्रों का कहना है कि यह उन लोगों के लिए है, जो कॉलेज स्टूडेंट्स यानी लड़के और लड़कियों को अलग-अलग पंक्तियों में देखना पसंद करते हैं. छात्रों ने कहा कि वह लड़कियों और लड़कों के एक साथ बैठने को सामान्य बनाना चाहते हैं....

कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग त्रिवेंद्रम के एक छात्र नंदना पी एम, जो 'लैपटॉप' प्रोटेस्ट करने वाले छात्रों के समूह का हिस्सा थे, उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हम जिन परिस्थितियों में पले-बढ़े हैं और जिन परिस्थितियों में वे पले-बढ़े हैं, दोनों अलग-अलग हैं. हमें नहीं लगता कि एक रात में समाज बदल जाएगा, लेकिन लोग छात्रों को चोट पहुंचाना बंद कर दें. हमारी पोस्ट के वायरल होने के बाद हमें लोगों का भारी समर्थन मिला है.छात्रों को जब पता चला कि रेजिडेंट्स एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा बस स्टॉप की बेंच तोड़ी जा रही है. तब छात्रों को बातचीत के दौरान अचानक यह आइडिया आया. तब छात्रों ने 'लैपटॉप' प्रोटेस्ट के फोटो को सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा 'अगर उनकी समस्या हमारे साथ बैठने से है, तो क्यों ना हमें एक-दूसरे की गोद में नहीं बैठना चाहिए?'

संपादकीय

गंभीर जलवायु संकट

यह वर्ष धरती का सबसे गर्म साल हो सकता है. फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, स्पेन, इटली समेत यूरोप के कई देशों में प्रचंड गर्मी पड़ रही है और अब तक एक हजार से अधिक लोगों की लू से मौत हो चुकी है. तापमान में बढ़ोतरी तो कई सालों से जारी है, पर इस साल सभी पुराने रिकॉर्ड टूट गये हैं. सूखे की वजह से उत्तरी इटली में पो डेल्टा नदी क्षेत्र में 70 फीसदी फसल नष्ट हो चुकी है. पश्चिमी यूरोप के अनेक जंगलों में आग लगी है और इससे कई शहरों व बस्तियों के तबाह होने का खतरा पैदा हो गया है. इसी बीच विश्व मौसम संगठन ने चेतावनी जारी की है कि अगले कुछ दिनों में उच्च तापमान से राहत मिलने की संभावना नहीं तथा गर्मी की यह लहर आगामी दशकों में भी लगातार आती रहेगी. संगठन ने स्पष्ट कहा है कि यह गर्मी धरती के बढ़ते तापमान का नतीजा है और ऐसा मानवीय गतिविधियों के कारण हो रहा है. कुछ दिन पहले संयुक्त राष्ट्र महासचिव अंतोनियो गुत्तेरेस ने भी विश्व समुदाय को आगाह किया था कि अगर हम जलवायु संकट को लेकर गंभीर नहीं होंगे और इससे निपटने के तात्कालिक प्रयास नहीं करेंगे, तो निश्चित रूप से हमारे ग्रह का भविष्य खतरे में पड़ जायेगा. विश्व मौसम संगठन ने भी इसी तरह की चेतावनी दी है. बढ़ते तापमान का सबसे अधिक असर खेती पर पड़ रहा है. यूरोप में पहले की ऐसी घटनाओं में पैदावार में बड़ी कमी आयी थी. इस बार यह इसलिए और अधिक गंभीर मामला है कि यूरोप में मुद्रास्फीति चरम पर है तथा दुनिया के कई देशों में खाद्य संकट की आशंका है. खाद्य पदार्थों के साथ ऊर्जा स्रोतों की कीमतें भी आसमान छू रही हैं. इस वर्ष हमारे देश में भी बढ़ती गर्मी से फसलें प्रभावित हुई हैं. कई देशों की तरह पानी की कमी हमारे यहां भी है और इसकी पूर्ति के लिए भूजल का बेतहाशा दोहन हो रहा है. यद्यपि मानसून के सामान्य रहने की उम्मीद है, पर कई इलाकों में समय से बारिश नहीं होने से खेत सूखने लगे हैं. जलवायु परिवर्तन के कारण असमय और अत्यधिक बारिश की समस्या भी हमारे सामने है. प्राकृतिक आपदाओं के आने की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है. ध्रुवीय बर्फ के पिघलने से समुद्री जल स्तर बढ़ रहा है और यह बहुत जल्दी तटों पर बसे शहरों के अस्तित्व के लिए खतरा बन सकता है. अनेक अध्ययन इंगित कर रहे हैं कि ध्रुवीय बर्फ और ग्लेशियर अनुमानों से कहीं अधिक तेजी से पिघल रहे हैं. एक ताजा अध्ययन के अनुसार आर्कटिक बर्फ के पिघलने की गति पूर्ववर्ती आकलनों से चार गुना अधिक है. ग्लासगो जलवायु सम्मेलन में यह आशा जगी थी कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय मिल-जुलकर तापमान वृद्धि को रोकने तथा कार्बन उत्सर्जन घटाने के लिए प्रयासरत होगा, पर महामारी के असर से निकलने की कोशिश में उत्सर्जन बढ़ता ही जा रहा है, जो निश्चित ही आत्मघाती है. इस संकट का समाधान कुछ देशों के प्रयासों से नहीं हो सकता है. यह वैश्विक चुनौती है और मानवता का अस्तित्व ही खतरे में है. इसलिए व्यापक अंतरराष्ट्रीय प्रयासों की दरकार है.

पश्चिम अफ्रीकी देश के बाद भारत में दिखाई दे रहे मंकीपॉक्स के संक्रमण

डब्लूएचओ ने भी मंकीपॉक्स के लिए देश विदेश को पहले से सूचित कर दिया है। और पश्चिम अफ्रीकी देश के बाद अब भारत में भी इसको पाया गया है। मंकीपॉक्स एक दुर्लभ बीमारी है जो मंकीपॉक्स वायरस के संक्रमण से होती है। मंकीपॉक्स वायरस वैरियोला वायरस के वायरस के एक ही परिवार का हिस्सा है, वह वायरस जो चेचक का कारण बनता है। मंकीपॉक्स के लक्षण चेचक के लक्षणों के समान होते हैं, लेकिन हल्के, और मंकीपॉक्स शायद ही कभी घातक होते हैं। मंकीपॉक्स का चिकनपॉक्स से कोई संबंध नहीं है। हाल ही में केरल में मंकीपॉक्स का तीसरा मामला सामने आया है. जुलाई की शुरुआत में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से लौटे 35 वर्षीय युवक में मंकीपॉक्स के संक्रमण की पुष्टि हुई है. केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने बताया कि मलप्पुरम का रहने वाला युवक छह जुलाई को अपने गृह राज्य लौटा था और उसका तिरुवनंतपुरम के मंजेरी मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है. जॉर्ज के मुताबिक, युवक की हालत स्थिर है. उन्होंने बताया कि संक्रमित के संपर्क में रहे लोगों पर करीबी नजर रखी जा रही है.

बताया गया कि दुबई से लौटे व्यक्ति को 13 जुलाई को बुखार आया जिसके बाद उसकी त्वचा पर रैशेज दिखे. इसपर व्यक्ति अस्पताल में जांच के लिए चिकित्सक से मिला और चिकित्सकों ने उसका सैंपल लेकर पुणे स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी भेजा. व्यक्ति के मंकीपॉक्स से ग्रसित होने की पुष्टि के बाद स्वास्थ्य विभाग के कहा है कि संबंधित व्यक्ति के संपर्क में आए लोगों पर भी निगरानी रखी जा रही है. इससे पहले भी दो अन्य मामले केरल में ही सामने आए थे और दोनों ही दुबई से लौटे थे. इन लोगों की स्वास्थ्य स्थिति संतोषजनक बताई जा रही है.

वहीं, केरल में मंकीपॉक्स संक्रमण के मामलों की पुष्टि होने के मद्देनजर कर्नाटक सरकार ने राज्य में सतर्कता गतिविधियां बढ़ाने और कड़ी निगरानी रखने का फैसला किया है. कर्नाटक सरकार ने राज्य के सभी जिलों को मंकीपॉक्स को लेकर 'तकनीकी परामर्श समिति' की सिफारिशों और केंद्र के दिशा-निर्देशों के अनुसार आवश्यक कदम उठाने तथा पूरी तैयारी सुनिश्चित करने को कहा है. कर्नाटक के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण आयुक्त ने सतर्कता बढ़ाए जाने संबंधी परिपत्र जारी किय. परिपत्र में कहा गया है कि राज्य के प्रवेश बिंदुओं पर सभी संदिग्ध मामलों की जांच की जाए और यदि मंकीपॉक्स के किसी मामले की पुष्टि होती है तो संबंधित व्यक्ति को कम से कम 21 दिन और संक्रमण के लक्षणों से पूरी तरह से उबर जाने तक पृथकवास में रखा जाए. इसमें कहा गया है कि लोगों को मंकीपॉक्स से बचने के तरीकों के बारे में जागरुक किया जाना चाहिए और मामलों का शीघ्र पता लगाने की कोशिश की जानी चाहिए.

उत्तराखंड में अगले दो दिन भारी बारिश के आसार, पर्वतीय मार्गों पर यात्रा करने से बचें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादूनः उत्तराखंड में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में बादलों का डेरा है। कहीं-कहीं हल्की से तेज बौछार का क्रम भी बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिन प्रदेश के पर्वतीय जिलों में भारी वर्षा हो सकती है। निचले क्षेत्रों में हल्की बौछार के आसार हैं।

प्रदेश में शुक्रवार को ज्यादातर क्षेत्रों में बादलों का डेरा रहा। पहाड़ से लेकर मैदान में झमाझम वर्षा के बाद दिनभर हल्की से मध्यम बौछार के भी कई दौर हुए। जिससे तापमान में भी एक से दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। दून में शुक्रवार दोपहर को हल्की धूप खिलने के बाद बौछार पड़ीं। वहीं, मसूरी, नैनीताल और पंचेश्वर में जोरदार वर्षा हुई।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार, उत्तराखंड में अगले दो दिन ज्यादातर क्षेत्रों में बादल छाये रह सकते हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में कहीं-कहीं भारी वर्षा हो सकती है। उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली और बागेश्वर में भारी वर्षा को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। अन्य जिलों में भी हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है।

चमोली जिले में शुक्रवार को दिनभर मौसम साफ रहा। हालांकि, शाम को हल्की वर्षा हुई है। बदरीनाथ हाइवे के सुचारु होने से यात्रा जारी रही। सुबह से ही बदरीनाथ हाइवे सुचारु था। दिनभर यात्रियों ने बदरीनाथ धाम में आवाजाही होती रही।

हेमकुंड यात्रा मार्ग पर भी पैदल मार्ग सुचारु होने से हेमकुंड यात्रा दिनभर जारी रही। ग्रामीण क्षेत्रों में 26 मोटर मार्ग अभी भी बंद पड़े हैं । जिससे ग्रामीणों को आवाजाही में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

क्या आप कुछ ऐसे हैं जो रोजाना 4-5 लीटर पानी लगातार पी रहे हैं ??? यदि हाँ तो इसे रोकें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विशेष रूप से बुजुर्गों में ओवरहाइड्रेशन या अतिरिक्त तरल पदार्थ जमा होने से रक्त में सोडियम का स्तर खतरनाक रूप से कम हो सकता है या मस्तिष्क में सूजन हो सकती है। ओवरहाइड्रेशन से वह हो सकता है जिसे पानी के नशे के रूप में जाना जाता है। इस स्थिति में शरीर में नमक और अन्य इलेक्ट्रोलाइट्स की मात्रा बहुत ज्यादा पतला हो जाती है

दैनिक पानी की जरूरत

- पुरुषों के लिए प्रतिदिन लगभग 15.5 कप (3.7 लीटर) तरल पदार्थ
- महिलाओं के लिए प्रतिदिन लगभग 11.5 कप (2.7 लीटर) तरल पदार्थ(यह उनकी जीवन शैली, गतिविधि के स्तर के आधार पर एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भिन्न होता है)

इन सिफारिशों में पानी, अन्य पेय पदार्थों और भोजन से तरल पदार्थ शामिल हैं। दैनिक तरल पदार्थ का लगभग 20% आमतौर पर भोजन से और शेष पेय से आता है।

बहुत अधिक पानी का सेवन शरीर से मौजूदा सोडियम और पोटेशियम को पतला कर सकता है, जिसे कमजोर पड़ने वाले हाइपोनेट्रेमिया के रूप में जाना जाता है। इतना ही नहीं, अधिक पानी कमजोर दिल और गुर्दे वाले व्यक्ति में जटिलताएं भी पैदा कर सकता हैओवरहाइड्रेशन के कुछ सामान्य लक्षणों में मतली, उल्टी, बार-बार सिरदर्द और मानसिक स्थिति में बदलाव जैसे भ्रम या भटकाव शामिल हैं। यदि अनुपचारित छोड़ दिया जाता है, तो यह मांसपेशियों में कमजोरी, ऐंठन या ऐंठन, दौरे, बेहोशी का कारण बन सकता हैशरीर की पानी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए 50% सादा पानी और 50% अन्य जल स्रोतों जैसे फल, दूध, सब्जियां आदि के रूप में सेवन करना आवश्यक है, जो शरीर में इलेक्ट्रोलाइट स्तर को भी पूरा करता है।

1940 के दौर में महिलाओं के जिम ऐसे होते थे - देखिये तस्वीरें

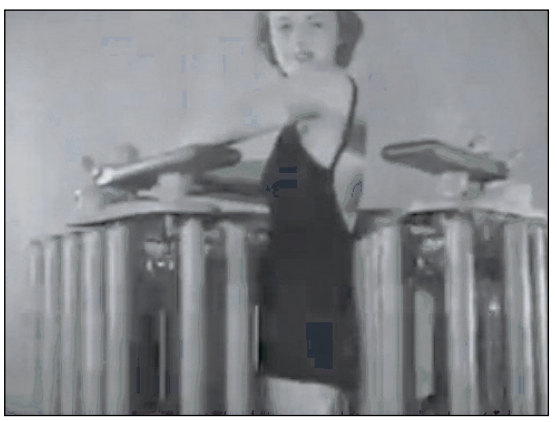

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

फैशन ऐसी चीज है जो लोगों की सोच, मान्यता उनकी रहने की जगह जैसी कई चीजों पर निर्भर करती है. फैशन के नाम पर जो चीजें अमेरिका या ब्रिटेन में सही होंगी, जरूरी नहीं कि भारत में भी उन चीजों को अच्छा ही माना जाए. इसी तरह इंसान के बदन और फिटनेस को भी लेकर हमेशा अलग-अलग मान्यताएं रही हैं जो समाज पर निर्भर करती हैं. जैसे किसी जगह मोटे लोगों को बदसूरत समझा जाता होगा तो किसी जगह पतले लोगों को. हर दौर में सुंदरता की परिभाषा बदली है मगर ऐसा लगता है कि महिलाओं के लिए सुंदरता की परिभाषा एक ही रही है. वो है दुबला पतला शरीर

ऐसे में समाज की इस सोच को जस्टिफाई करने के लिए जिस तरह आज दुबला बनने की कोशिश करती हैं वैसे ही सालों पहले भी करती थीं. इन दिनों सोशल मीडिया पर 1940 के दशक की तस्वीरें वायरल हो रही है जिसमें तब के महिलाओं के जिम को दिखाया गया है. उस दौर में भी महिलाओं पर पतले होने का इतना दबाव था कि तस्वीरों में युवतियां अपने शरीर को जिम की विचित्र मशीनों से पतला करने की कोशिश करते दिख रही हैं.

1940 के दशक में ऐसे होते थे जिम

इन तस्वीरों में ऐसी मशीन हैं जो शरीर पर रोलर की तरह चलाई जा रही हैं और इससे दावा ये किया जाता रहा है कि चर्बी कम होगी. जबकि हैरानी ये है कि महिलाओं के शरीर पर ऊपर से नीचे तक, खासकर कमर के पास ये मशीन रोलर की तरह ऊपर नीचे कर रही है. औरतें महज अपनी जगह पर खड़ी हैं और देखने पर ऐसा लग रहा है जैसे एक्सरसाइज वो नहीं, मशीनें कर रही हैं.

सीबीएसई देहरादून रीजन में 12वीं में अभिनव, हरमन और कशिश, दसवीं में अग्रिमा टापर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादूनः लंबी प्रतीक्षा के बाद केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) का दसवीं व बारहवीं का परिणाम शुक्रवार को जारी हो गया। सीबीएसई देहरादून रीजन में इस दफा भी उत्तराखंड के छात्रों का दबदबा रहा।

बारहवीं में डीएसबी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, ऋषिकेश के अभिनव उनियाल, आएएन पब्लिक स्कूल रुद्रपुर, ऊधमसिंह नगर की हरमन कौर बब्बर व राधाकृष्ण पब्लिक स्कूल अमरोहा की कशिश यादव ने 99.6 प्रतिशत अंक के साथ संयुक्त रूप से देहरादून रीजन में पहला स्थान प्राप्त किया है। वहीं, दसवीं में एशियन स्कूल की छात्रा अग्रिमा प्रधान 99.8 प्रतिशत अंक के साथ शीर्ष पर रही हैं।

सीबीएसई के क्षेत्रीय अधिकारी जेपी चतुर्वेदी ने बताया कि देहरादून रीजन में उत्तराखंड के 13 और उत्तर प्रदेश के आठ जिले शामिल हैं। यहां बारहवीं कक्षा में 69825 छात्र पंजीकृत थे, जिनमें 69413 ने परीक्षा दी। इनमें 59272, यानी 85.39 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। पास प्रतिशत के लिहाज से इस बार भी लड़कियों ने बाजी मारी है। 89.36 प्रतिशत लड़कियां, जबकि 82.59 प्रतिशत लड़के उत्तीर्ण हुए हैं। दसवीं में 85586 छात्र पंजीकृत थे, जिनमें 85177 ने परीक्षा दी। इनमें 79582, यानी 93.43 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए हैं।

लड़कियों का पास प्रतिशत 95.54, जबकि लड़कों का 92.01 रहा है। पिछले साल बारहवीं में 98.6 और दसवीं में 99.23 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए थे। हालांकि गत वर्ष कोरोना के चलते बोर्ड परीक्षा नहीं हो सकी थी। ऐसे में छात्रों को पुरानी व वर्तमान दोनों कक्षाओं के अंक, प्रोजेक्ट और असाइनमेंट के आधार पर दिए गए थे।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा